भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4847

उत्तर देने की तारीख 23 मार्च, 2026

सोमवार, 02 चैत्र, 1948 (शक)

कौशल भारत डिजिटल हब

4847. श्री भास्कर मुरलीधर भगरे: श्रीमती सुप्रिया सुले: प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील: श्री संजय दिना पाटील:
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार कौशल भारत डिजिटल हब (एसआईडीएच) में महाराष्ट्र के युवाओं, महिलाओं, पेशेवरों और इच्छुक उद्यमियों के नामांकन और सक्रिय भागीदारी का विस्तार करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल आउटरीच पहल कर रही है;

(ख) क्या उक्त राज्य में एसआईडीएच के माध्यम से पंजीकरण, पाठ्यक्रमों में नामांकन, प्रमाणन और रोजगार अथवा उद्यमिता परिणामों के संबंध में जिला-वार आंकड़े उपलब्ध हैं;

(ग) क्या उक्त राज्य के ग्रामीण, जनजातीय और औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षार्थियों की पहुंच बढ़ाने के लिए एसआईडीएच की मोबाइल-फर्स्ट, कृतिम बुद्धिमत्ता (एआई) युक्त और बहुभाषी विशेषताओं का लाभ उठाया जा रहा है;

(घ) क्या महाराष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों जैसे विनिर्माण, सेवाओं, स्टार्ट-अप्स और उभरती हुई प्रौद्योगिकी आधारित नौकरियों से संबंधित उद्योग से जुड़े और भविष्य के लिए तैयार पाठ्यक्रमों को इस मंच पर प्राथमिकता दी जा रही है; और

(ङ) क्या सरकार का उक्त राज्य में आजीवन सीखने, रोजगारपरक क्षमता और कार्यबल की तैयारी को सुदृढ़ करने के लिए एसआईडीएच के तहत महाराष्ट्र राज्य कौशल विकास मिशन और शैक्षणिक संस्थानों के बीच गहन तालमेल बनाने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) सिद्ध, स्किल इंडिया डिजिटल हब, देश भर में कौशल विकास, रोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक एकीकृत प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। भागीदारी बढ़ाने के लिए, व्यापक ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रचार कार्यनीतियाँ लागू की गई हैं, जिनमें बहुभाषी डिजिटल अभियान, सोशल मीडिया सहभागिता, कार्यशालाएँ, वेबिनार और जमीनी स्तर पर गतिविधियाँ जैसे कि वास्तविक समय में संवाद और पंजीकरण के लिए सिद्ध स्टॉल शामिल हैं। रेलवे स्टेशनों, बस स्टॉप और महाकुंभ 2025 जैसे प्रमुख आयोजनों के दौरान भी व्यापक दृश्यता वाले आउटडोर अभियान चलाए गए हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान "बढ़ना है तो यहां जुड़ना है" शीर्षक से एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान शुरू किया गया और इसे प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, आउटडोर और डिजिटल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया गया।

(ख) जी हां, सिद्ध प्लेटफॉर्म डैशबोर्ड पर डेटा उपलब्ध है, जिसमें व्यक्तिगत योजनाओं और ऑनलाइन कार्यक्रमों के लिए नामांकन और प्रमाणन संबंधी जिलावार जानकारी शामिल है।

(ग) प्लेटफॉर्म को समावेशिता और पहुंच को अधिकतम करने के लिए संरचित किया गया है, विशेष रूप से ग्रामीण, आदिवासी और औद्योगिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के शिक्षार्थियों के लिए। इसका मोबाइल-फर्स्ट डिज़ाइन स्मार्टफोन के माध्यम से आसान पहुंच सुनिश्चित करता है, जो अक्सर इन क्षेत्रों में प्राथमिक डिजिटल उपकरण होते हैं।

23 भाषाओं में सामग्री की उपलब्धता भाषा संबंधी बाधाओं को और कम करती है और विविध समुदायों के लिए उपयोगिता बढ़ाती है।

विभिन्न उपयोगकर्ता आवश्यकताओं को पूरा करने वाली अंतर्निहित पहुंच सुविधाओं के साथ, ये घटक कौशल विकास सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और वंचित आबादी के बीच जुड़ाव बढ़ाने की प्लेटफॉर्म की क्षमता को अत्यधिक सुदृढ़ करते हैं।

(घ) पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में आईटी-आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर, ऑटोमोटिव, ग्रीन जॉब्स, हेल्थकेयर और टेलीकॉम जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भविष्य के कौशल और उद्योग-अनुकूल जॉब रोल्स को प्राथमिकता दी गई है और इन्हें सिद्ध पर चलाया जा रहा है। 31.12.2025 तक, महाराष्ट्र राज्य में कुल 25,378 उम्मीदवारों का नामांकन हुआ है, जिनमें से 17,860 को प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त दिया गया है और 9,979 को प्रमाणित किया गया है।

ये रुझान कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, 5जी प्रौद्योगिकियों और डिजिटल हेल्थकेयर सहित उभरती हुए जॉब रोल्स में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाते हैं, जो राज्य में विकसित हो रही उद्योग आवश्यकताओं और भविष्य की कार्यबल मांग के साथ कौशल विकास पहलों के संरेखण को प्रतिबिंबित करते हैं।

(ङ) डेटा साझाकरण और एकीकरण तंत्रों को सुगम बनाकर स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) के माध्यम से केंद्र और राज्य योजनाओं के बीच अभिसरण को सक्षम करने के प्रयासों का समर्थन किया जाता है। राज्यों को सिद्ध के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, या तो अपने कार्यक्रमों को इस प्लेटफॉर्म पर लागू करके या कौशल एवं प्रशिक्षण डेटा के भंडार के रूप में इसका उपयोग करके। इस दृष्टिकोण के माध्यम से, राज्य द्वारा संचालित योजनाएं भी सिद्ध पर प्रदर्शित होती हैं; वर्तमान में, महाराष्ट्र की एक ऐसी ही योजना, प्रमोद महाजन कौशल्या औद्योगिक विकास अभियान (पीएमकेयूवीए), इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

*****